सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्षः 9 ● अंकः 134 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 20 जून, 2023
मूल्य ₹ 3/-

हर मित्रता के पीछे कोई ना कोई स्वार्थ होता है। ऐसी कोई मित्रता नहीं, जिसमें स्वार्थ न हो। यह कड़वा सच है।

-चाणक्य

तलवार बाज भवानी ने रचा... 7 | मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ में चढ़-उतर... 3 | देश व प्रदेश के लिए हमारे पास... 2

ममता सरकार को सुप्रीम झटका

उच्चतम न्यायालय ने खारिज की याचिका

» कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेशों में दखल से किया इंकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। सुप्रीमकोर्ट ने पश्चिम बंगाल की ममता सरकार को झटका दिया है। पंचायत चुनाव हिंसा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पश्चिम बंगाल पंचायत चुनावों में केंद्रीय बलों की तैनाती होगी। कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेशों में दखल देने से इनकार किया।

इस फैसले से ममता सरकार और राज्य चुनाव आयोग को झटका लगा है, हाईकोर्ट के केंद्रीय बलों की तैनाती के आदेश के खिलाफ अर्जी खारिज हो गई है। हाईकोर्ट के आदेश का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव हो, क्योंकि राज्य एक ही दिन में सभी सीटों पर चुनाव करा रहा है। इन परिस्थितियों में हम पाते हैं कि उच्च न्यायालय के आदेश में किसी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा पश्चिम बंगाल पंचायत चुनावों में केंद्रीय बलों की तैनाती होगी

राज्य चुनाव आयोग को भी फटकारा

सुप्रीम कोर्ट ने राज्य चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाए और कहा कि हाईकोर्ट के अर्धसैनिक बलों की तैनाती के आदेश से चुनाव आयोग कैसे प्रभावित होगा? सुरक्षा बल कहां से आएं इससे आयोग को कोई लेना-देना नहीं, चाहे ये केंद्रीय बल हो या अन्य राज्यों के आयोग को क्या परेशानी होगी? खुद चुनाव आयोग ने ही तो सुरक्षा बलों की मांग की है। जस्टिस नागरत्ना ने राज्य चुनाव आयोग से कहा कि यह राज्य की जिम्मेदारी है कि वह स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराए, लेकिन आप परेशान कैसे हैं? आपने खुद राज्य से अनुरोध किया है। आपकी याचिका सुनवाई योग्य कैसे हैं। बल कहां से आएंगे, यह आपकी चिंता का विषय नहीं है।

चुनाव कराना हिंसा करने का लाइसेंस नहीं

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार पर सवाल उठाए और कहा कि चुनाव कराना हिंसा करने का लाइसेंस नहीं है। निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव जमीनी स्तर के लोकतंत्र की पहचान है। हिंसा के माहौल मे चुनाव नहीं कराया जा सकता। निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव सुनिश्चित किए जाने चाहिए। इससे पहले प. बंगाल पंचायत चुनाव हिंसा मामले में ममता सरकार और राज्य चुनाव आयोग की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू हुई। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच इस मामले में सुनवाई कर रही है। कलकत्ता हाईकोर्ट ने 48 घंटे में हर जिले में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती का आदेश दिया था। इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। 13 जून को राज्य चुनाव आयोग सुरक्षा को लेकर असेसमेंट कर रहा था।15 जून को हाईकोर्ट ने 48 घंटे मे अर्धसैनिक बलो को तैनात करने का आदेश दे दिया। जस्टिस नागरत्ना ने पूछा कि अभी वहां की क्या ग्राउंड सिचुएशन है। बंगाल सरकार ने कहा कि 8 जुलाई को चुनाव होना है। आज नाम वापस लेने की आखिरी तारीख है। कुल 189 संवेदनशील बूथ हैं।

मणिपुर में हिंसा पर जल्द सुनवाई से 'सुप्रीम' इंकार

तीन जुलाई को होगी फिर बहस

» कुकी समुदाय की सुरक्षा सेना को सौंपने की मांग पर दाखिल हुई थी याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मणिपुर हिंसा से जुड़ी एक याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया। दरअसल, मणिपुर ट्राइबल फोरम की ओर से दायर इस याचिका में मांग की गई थी कि राज्य में रहने वाले कुकी समुदाय की सुरक्षा की जिम्मेदारी भारतीय सेना को दी जाए।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एमएम सुरेश की वैकेशन बेंच के सामने वरिष्ठ वकील कॉलिन गोंजालवेज ने मणिपुर ट्राइबल फोरम की याचिका का जिक्र किया था। वहीं, केंद्र की तरफ से इस मामले में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की ओर से पक्ष रखा गया। मणिपुर ट्राइबल फोरम ने आरोप लगाया है कि राज्य में कुकी सुरक्षित नहीं हैं। एनजीओ ने सर्वोच्च न्यायालय से कहा कि वह केंद्र सरकार के झूठे आश्वासनों पर भरोसा न करे और कुकी समुदाय की सुरक्षा भारतीय सेना को सौंपी जाए। कुकी और मैतेई समुदाय के बीच छिटपुट हिंसा की घटनाएं अभी भी जारी हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर तत्काल सुनवाई से इनकार करते हुए याचिका पर तीन जुलाई को सुनवाई के लिए भेज दिया। कोर्ट ने कहा यह पूरी तरह कानून और व्यवस्था का मसला है।

नीतीश का तमिलनाडु दौरा टला

» तेजस्वी और जदयू नेता संजय झा चेन्नई गए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पटना में विपक्षी दलों की एकजुटता मुहिम को लेकर 23 जून को महाबैठक के सिलसिले में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का तमिलनाडु दौरा ऐन वक्त पर टल गया। नीतीश तुमार की जगह उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से मिलने चेन्नई रवाना हो गए हैं। तेजस्वी यादव के साथ जदयू के वरिष्ठ नेता व मंत्री संजय झा भी गए हैं।

आखिरी मौके पर मुख्यमंत्री का दौरा रद होने का कारण नहीं बताया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन कांग्रेस से नाराज चल रहे हैं। मुख्यमंत्री उनको मनाने और महाबैठक के लिए विशेष रूप से आमंत्रित करने के लिए जाने वाले थे। नीतीश कुमार का तमिलनाडु दौरा महत्वपूर्ण माना जा रहा था क्योंकि विपक्षी एकजुटता अभियान के तहत दक्षिण भारत के किसी राज्य में उनका यह पहला दौरा था। चेन्नई यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री एक कार्यक्रम में भी शामिल होने वाले थे। कार्यक्रम में उनका संबोधन भी था।

एक अणे मार्ग में बैठक की तैयारी

पटना के एक अणे मार्ग स्थित नेक संवाद कक्ष में महाबैठक की तैयारियां की जा रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, महाबैठक में शामिल होने के लिए स्टालिन की सहमति भी मिल चुकी है। हालांकि, आखिरी वक्त में नीतीश कुमार के तमिलनाडु न जाने के निर्णय से कई तरह की अटकलें लगाई जा रही है। इसके पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से भी मिल चुके हैं। इन मुख्यमंत्रियों ने पटना में होने वाली महाबैठक में शामिल होने को लिए अपनी सहमति दे दी है।

देश व प्रदेश के लिए हमारे पास स्पष्ट दृष्टिकोण : अखिलेश

23 जून को बनेगी राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन की रूपरेखा

» धर्म को फिल्मी प्रवक्ताओं से दूर रखें भाजपाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश ने कहा है कि सपा के पास प्रदेश और देश को लेकर स्पष्ट दृष्टिकोण है। विधानसभा चुनाव में भाजपा ने सत्ता का दुरुपयोग करके परिणाम अपने पक्ष में कराया। यही जनता भाजपा को केंद्र की सत्ता से बाहर करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि जो दल भाजपा को हराना चाहते है, वे बड़े दिल के साथ सपा के साथ आएं।

भाजपा ने सभी संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जा कर रखा है। धर्म के आधार पर भेदभाव करती है और नफरत फैलाती है। भाजपा निर्दोषों को फर्जी केस में फंसाती है, जिससे दहशत फैले। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बलिया और देवरिया सहित अन्य जिलों में बड़ी संख्या में लू से हुई मौतों को अपने झूठ तंत्र से नकार रही है। वह इन मौतों के प्रति संवेदनहीन रवैया अपनाए हुए है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की बड़ी भूमिका है। यहां सपा मजबूती से भाजपा का मुकाबला कर रही है और आम लोगों के मुद्दों को लेकर हर स्तर पर संघर्षरत है। 23 जून को पटना में राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन की रूपरेखा तैयार होगी। विपक्षी दलों की संयुक्त बैठक में इस पर चर्चा होगी। इसकी पहल बिहार के मुख्यमंत्री और जदयू नेता नीतीश कुमार ने की है। उन्होंने कहा कि धार्मिक भावनाएं आहत होने पर यूपी में जगह-जगह लेखक-निर्देशक और निर्माता के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। ऐसी फिल्में भारतीय संस्कृति का जो अपमान कर रही हैं, वो भारतीय समाज सहन नहीं करेगा। भाजपाई, प्राचीन धर्म और मान्यताओं को अपने फिल्मी प्रवक्ताओं से दूर ही रखें।

लोस चुनाव में यूपी की होगी अहम भूमिका

धोखा देने वालों के लिए कॉरपेट बिछा रही भाजपा सरकार

अखिलेश ने कहा कि लोन लेकर जानबूझकर बैंकों को धोखा देने वालों के लिए भाजपा सरकार कॉरपेट बिछा रही है। बैंकों से इन फरेबियों का समझौता करवा रही है। किसान के कर्ज या आम जनता की बीमारी, पढ़ाई या घर के कर्ज की वसूली के लिए तो सरकार बैंकों से न जाने क्या-क्या उत्पीड़न करवाती हैं। ऐसे में इन धोखेबाजों पर कृपा क्यों की जा रही है।

बढ़ते अपराधों पर एलजी के साथ दिल्ली कैबिनेट की बैठक हो : केजरीवाल

» उपराज्यपाल को लिखी चिट्ठी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर आप का उपराज्यपाल व केंद्र सराकर पर हमला जारी है। इस बाबत मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना को चिट्ठी लिखी है। केजरीवाल ने चिट्ठी में कहा कि दिल्ली की कानून व्यवस्था की हालत बहुत ही चिंतजानक है। हर नागरिक असुरक्षित महसूस कर रहा है। दिल्ली की कानून व्यवस्था के लिए सीधे उपराज्यापल और गृह मंत्री जिम्मेदार हैं।

नागरिकों, विधायकों और आरउब्ल्यूए के साथ मिलकर कानून व्यवस्था सुधारी जाये। थाना लेवल कमिटी फिर से शुरू की जाये। केजरीवाल ने दिल्ली में बढ़ते अपराधों को लेकर एलजी के साथ दिल्ली कैबिनेट की बैठक का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार के अधीन दिल्ली की कानून व्यवस्था आती है और वह दिल्ली में लगातार अपराधियों का मनोबल बढ़ा रही है। भाजपा के मंच पर बड़े अपराधी पाए जाते हैं। यही कारण है कि अपराधी निडर हो गए हैं।

पूर्व सांसदों और विधायकों की मदद से फिर लहराएंगे परचम : खाबरी

» कांग्रेस की लोकसभा चुनाव में मैदान में उतारने की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रदेश में वापसी के लिए मेहनत कर रही है। इसके लिए यहां पर पार्टी नया प्रयोग करती रहती है। इसबार सभी पूर्व विधायकों, पूर्व सांसदों और अन्य वरिष्ठ नेताओं को पार्टी कार्यालय बुलाया गया। बैठक की अध्यक्षता कर रहे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने कहा कि वरिष्ठ नेताओं के अनुभव के आधार पर संगठन को सक्रिय कर लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का परचम लहराया जाएगा। कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा 'मोना', प्रांतीय अध्यक्ष नसीमुद्दीन सिद्दीकी व नकुल दुबे ने कहा कि वरिष्ठ नेताओं के अनुभव से संगठन को ताकत मिलेगी।

इस दौरान पूर्व सांसद जफर अली नकवी, कमल किशोर, पूर्व विधायक सतीश अजमानी, भगवती प्रसाद चौधरी आदि मौजूद रहे। लोकसभा चुनाव को लेकर उनकी राय के आधार पर सियासी रणनीति तैयार की गई। वरिष्ठ नेताओं ने भी विधानसभा क्षेत्रवार सक्रिय भूमिका निभाने का आश्वासन दिया है। तय किया गया कि हर विभाग और प्रकोष्ठ से एक-एक व्यक्ति को लेकर बूथ कमेटी बनाई जाएगी। हर बूथ कमेटी में 25 सक्रिय कार्यकर्ताओं रहेंगे।

सीजीपीएससी भ्रष्ट आयोग: तेजस्वी सूर्या

» कहा- होगी सीबीआई जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पीएससी घोटाले को लेकर सियासत तेज हो गई है। बीजेपी सांसद और युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने सीएम हाउस का घेराव किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग में कथित घोटाले को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि यदि बीजेपी सत्ता में आती है तो इसकी जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो से कराएगी। सूर्या ने कहा कि भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली सरकार ने परीक्षा लेने वाली संस्था को पैसा संग्रह करने वाली कंपनी में बदल दिया है।

सूर्या ने कहा कि राज्यों में सीजीपीएससी अपनी पारदर्शी चयन प्रक्रिया के लिए जाना जाता है, लेकिन छत्तीसगढ़ में पिछले तीन-चार वर्षों में उम्मीदवारों के चयन को देखकर मैं कह सकता हूं कि सीजीपीएससी देश का सबसे खराब और सबसे भ्रष्ट आयोग है। भाजपा सांसद ने बघेल पर निशाना साधते हुए कहा कि सीजीपीएससी में अनियमितता और भ्रष्टाचार 'कमीशन राज' को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि सीजीपीएससी 2021 की प्रक्रिया तीन साल में पूरी की गई। इसकी प्रारंभिक परीक्षा 2021 और मुख्य परीक्षा 2022 में हुई थी, जबकि साक्षात्कार का परिणाम इस साल यानी 2023 में जारी किया गया। उन्होंने कहा कि इससे पता चलता है कि घोटाला कैसे हुआ है। सूर्या ने सरकारी अधिकारियों और सत्ताधारी दल के नेताओं के परिवारों से कुछ उम्मीदवारों के चयन पर सवाल उठाया और कहा कि सीजीपीएससी के अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी के दत्तक पुत्र को सीजीपीएससी-2021 की परीक्षा में सातवां स्थान मिला है। उन्होंने कहा कि सोनवानी के बेटे का नाम प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा में पूरी तरह से सरनेम के साथ उल्लेख किया गया था, लेकिन परिणाम में उसका नाम बिना सरनेम के लिखा गया।

पुलिस के कड़े इंतजाम

रायपुर पुलिस ने विरोध प्रदर्शन को देखते हुए राजधानी में बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया था तथा मुख्यमंत्री निवास की ओर जाने वाली सड़कों पर कई जगहों पर बैरिकेडिंग की थी। सूर्या और भाजयुमो कार्यकर्ताओं को पुलिस ने आकाशवाणी के करीब काली मंदिर चौक पर लगे बैरिकेड्स पर रोककर हिरासत में ले लिया, लेकिन बाद में उन्हें छोड़ दिया गया।

अन्न भाग्य योजना में अड़ंगा लगा रहा केंद्र

कर्नाटक में फ्री चावल पर गरमाई सियासत

» सिद्धरमैया पीएम मोदी से करेंगे मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक में 10 किलो चावल मुफ्त देने की योजना पर सियासत गरमा गई है। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार अन्न भाग्य योजना के जरिए बीपीएल परिवार के प्रत्येक सदस्य को 10 किलोग्राम चावल देने का चुनावी वादा पूरा करना चाहती है लेकिन बीजेपी इसमें बाधा बन रही है।

वहीं विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने कांग्रेस पर चुनावी वादे से मुकरने और भ्रम पैदा करने का आरोप लगाया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने कहा, केंद्र सरकार इस पर राजनीति कर रही है। हमने उसे (भारतीय खाद्य निगम को) 9 जून को पत्र लिखा था। हमने कहा था कि वे हमें 2.28 लाख मीट्रिक टन चावल दें। विभाग ने 12 जून को जवाब दिया कि वह इसकी आपूर्ति करेगा। हालांकि, 14 जून को भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के अध्यक्ष ने हमें पत्र लिखकर कहा कि वे हमें चावल नहीं दे सकते हैं। सिद्धरमैया ने सवाल किया, यदि वे 12 जून को सहमत हुए थे कि उनके पास सात लाख मीट्रिक टन चावल है और बाद में इससे इनकार करते हैं कि उनके पास चावल नहीं है, तो हमें क्या निष्कर्ष निकालना चाहिए? प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात को लेकर सिद्धरमैया ने कहा कि वह 21 जून को दिल्ली जा रहे हैं। वह पीएम से मिलना चाहते हैं लेकिन मोदी शहर में नहीं होंगे तो ऐसे में उनकी मुलाकात नहीं होगी। हालांकि, उन्होंने प्रधानमंत्री के विदेश यात्रा से लौटने के बाद उनसे मिलने की इच्छा जताई है।

बेकार का बहाना बना रहे सीएम : बसवराज बोम्मई

बीजेपी नेताओं ने कहा, केंद्र अतिरिक्त चावल देने पर राजी नहीं हुआ था। यह राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। सरकार को पांच किलोग्राम अतिरिक्त चावल देने का वादा पूरा करने के लिए इसकी खरीद करनी चाहिए। लोग एक ग्राम भी कम अनाज नहीं लेंगे। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कांग्रेस पर चुनावी वादे से पीछे हटने का आरोप लगाया और कहा कि वह चावल को लेकर बेकार के बहाने बना रही है।

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ में चढ़-उतर रहा सियासी तापमान

दोनों राज्यों में सत्ता परिवर्तन की जंग होगी तेज

» भाजपा व कांग्रेस ने अभी से शुरु की चुनावी तैयारी

» सपा,बसपा, आप व अन्य दल भी ठोकेंगे ताल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। जैसै-जैसे मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव की आहट सुनाई दे रही है वैसे-वैसे वहां का सियासी तापमान घट-बढ़ रहा है। कभी भाजपा कांग्रेस को घेर रही है तो कभी बीजेपी कांग्रेस को खरी-खोटी सुना रही है। सीएम शिवराज सिंह चौहान, कमलनाथ व दिग्विजय को घेरने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। तो कांग्रेस भी कभी महालोक की मुर्तियों के गिरने के मामले को बीच-बीच में उठाकर भाजपा सरकार को आइना दिखाती रहती है। दोनों बड़ी पार्टियों के अतिरिक्त आम अदमी पार्टी, सपा, बसपा व बीआरएस व एआईएमआईएम जैसी पार्टियां भी वहां के चुनाव में ताल ठोंकने की तैयारी में है। ऐसे चर्चा ये भी है इन छोटे दलों के उतरने से बीजेपी व कांग्रेस को झटका लग सकता है। खैर आगे क्या होगा यह तो चुनाव के बाद ही पता चलेगा।

इस साल के अंत में मध्यप्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव भूचाल लाने वाले हो सकते हैं। हमेशा की तरह इस बार भी बीजेपी और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला होगा। लेकिन एक मजबूत क्षेत्रीय राजनीतिक संगठन के अभाव में कुछ अन्य दल अपने क्षेत्रों का विस्तार करने का प्रयास करेंगे। पिछले साल कोयला नगरी सिंगरौली में मेयर पद जीतकर शानदार एंट्री करने वाली दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी (आप) इस साल पहली बार मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव लड़ेगी। जनवरी में आप ने राज्य की कार्यकारिणी को भंग कर दिया और दो महीने बाद सिंगरौली मेयर का चुनाव रानी अग्रवाल ने जीत लिया। पार्टी ने उन्हें प्रदेश अध्यक्ष के रूप में भी पदोन्नत किया। आम आदमी पार्टी ने मध्यप्रदेश की 230 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है। आप की घोषणा के बाद बीजेपी और कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। अरविंद केजरीवाल भोपाल में जनसभा को भी संबोधित कर चुके हैं। राज्य में इसी साल के अंत में विधानसभा के चुनाव होने हैं।

मध्य प्रदेश में हिंदुत्व की राह पर कांग्रेस

साफ-साफ दिखाई दे रहा है कि भाजपा से लगातार चुनाव हारने वाली कांग्रेस ने अब भाजपा की हिंदुत्व वाली पिच पर ही खेलकर उसे हराने का मंसूबा बना लिया है। अविभाजित मध्य प्रदेश को आमतौर पर भाजपा के हिंदुत्व की प्रयोगशाला माना जाता रहा है। मध्य प्रदेश में 2018 में चुनाव जीतकर गांधी परिवार के आशीर्वाद से मुख्यमंत्री बनने वाले कमलनाथ को जल्द ही भाजपा ने ज्योतिरादित्य सिंधिया की बगावत की मदद से कुर्सी से हटा कर अपने शिवराज सिंह चौहान को फिर से राज्य का मुख्यमंत्री बना दिया लेकिन इसके बाद पूरे प्रदेश में भ्रमण कर रहे कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की जोड़ी को जल्द ही हिंदुत्व की राजनीति की अहमियत का भी अहसास हो गया और इसके बाद कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में भी हिंदुत्व की राजनीति पर ही चलने का फैसला कर लिया। इसके बाद ही कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद के फिलहाल सबसे बड़े और एकमात्र दावेदार नजर आ रहे कमलनाथ ने अपनी पूजा करती तस्वीरों को सार्वजनिक रूप से शेयर करना शुरू कर दिया, बजरंग सेना का कांग्रेस में विलय कराया और सबसे खास बात यह है कि किसानों, बेरोजगारों, हड़तालों और आदिवासियों सहित तमाम मुद्दों पर शिवराज सरकार को घेरने वाले कमलनाथ बहुत ही जोर-शोर से और प्रमुखता से उज्जैन के महाकाल में गिरी देव प्रतिमाओं का भी मुद्दा उठाकर हिंदू मतदाताओं को खास संदेश देने का प्रयास कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में बघेल राम नाम में रमे

2018 में कांग्रेस के विधानसभा चुनाव जीतने के बाद गांधी परिवार के आशीर्वाद से छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री बने भूपेश बघेल ने बहुत जल्द ही यह भांप लिया कि अगर छत्तीसगढ़ में निर्बाध रूप से सरकार चलानी है तो हिंदुत्व के रास्ते पर चलना होगा और उसके बाद लोगों ने देखा किस तरह से बघेल ने एक-एक कर राज्य भाजपा से हिंदुत्व से जुड़े मुद्दों को छीनना शुरू कर दिया। ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनाव 2023 के लिए भाजपा और कांग्रेस में हिंदुत्ववादी राजनीति करने की होड़ लगी हुई है। इस बार दोनों पार्टियां हिंदुत्व को मुद्दा बनाकर चुनावी प्रचार कर रही है। दोनों पार्टियों में होड़ लगी है कि कौन-सी पार्टी हिंदुत्व की राजनीति में आगे निकलती है। गोबर योजना से लेकर, राम वन गमन परिपथ, रामायण प्रतियोगिता, हनुमान चालीसा का पाठ और गोधन न्याय योजना जैसी परियोजनाओं को अपना कर, घोषणाएं करके छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार राज्य के हिंदू मतदाताओं को पुरजोर तरीके से और लगातार लुभाने का प्रयास कर रही है।

उम्मीदवार का सिलेक्शन बिगाड़ सकता है खेल

एक राजनीतिक विश्लेषक ने कहा, मध्य प्रदेश में आप उतनी सफल नहीं होगी जितना वह सोचती है। इसके पीछे तर्क यह है कि उसके कार्यकर्ता जनता के मुद्दों पर लड़ने के लिए सड़कों पर नहीं थे। दूसरा, क्योंकि मुफ्त उपहारों की इसकी अवधारणा पहले से ही कांग्रेस और भाजपा ने अपना लिया है। तीसरा कारण यह है कि दिल्ली में अपने मंत्रियों के खिलाफ हुए भ्रष्टाचार ने आप को झटका दिया है। अगर इसका थोड़ा सा भी असर हुआ तो यह केवल उम्मीदवारों के कारण होगा, जिन्होंने अपनी खास सीटों पर अपना आधार बनाया है। या तो उनकी राजनीतिक पृष्ठभूमि के कारण या भाजपा और कांग्रेस के उम्मीदवारों के बीच की आंतरिक लड़ाई के कारण होगा।

आप डालेगी प्रभाव

मार्च में राज्य का दौरा करने के दौरान केजरीवाल ने सभी 230 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने के फैसले की घोषणा की थी। अपनी घोषणा में, उन्होंने मध्य प्रदेश में सत्ता में आने पर मुफ्त बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा के लिए दिल्ली मॉडल की अवधारणा का हवाला दिया। आप ने अभी तक मुख्यमंत्री पद के लिए चेहरे की घोषणा नहीं की है, लेकिन सूत्रों ने दावा किया है कि वह भाजपा और कांग्रेस दोनों के कुछ बड़े नेताओं के साथ बातचीत कर रही है। यह भी खबर सामने आ रही है कि कई नेता भाजपा और कांग्रेस से दूर हो गए हैं और राजनीति में आगे बढ़ने के लिए आप में जगह पाने की जुगत में हैं। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि कई कारणों से आप का मध्य प्रदेश में ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ेगा, लेकिन यह भाजपा और कांग्रेस के उम्मीदवारों के लिए खेल बिगाड़ सकती है।

कमलनाथ से लेकर प्रियंका तक भाजपा को घेरने में जुटे

यहां तक कि राज्य में चुनावी अभियान का श्रीगणेश करने के लिए मध्य प्रदेश पहुंची प्रियंका गांधी ने भी पहले मां नर्मदा की पूजा अर्चना और आरती कर अपने इरादों को पूरी तरह से स्पष्ट कर दिया। प्रियंका गांधी ने भाजपा सरकार पर व्यापम घोटाले, शिक्षक भर्ती घोटाले, पुलिस भर्ती घोटाले, खनन घोटाले और ई-टेंडर सहित कई घोटाले करने का आरोप लगाते हुए यहां तक कह डाला कि भाजपा की सरकार ने तो घोटालों के मामले में मां नर्मदा और महादेव के महाकाल कॉरिडोर तक नहीं छोड़ा।

राहुल का बढ़ सकता है आधार

कांग्रेस एक बार फिर से अपने सॉफ्ट हिंदुत्व के पुराने वाले दौर में लौटने की कोशिश करती नजर आएगी क्योंकि कांग्रेस में नेताओं के एक बड़े समूह का यह मानना है कि अगर हिंदू वोटों के बल पर कांग्रेस भाजपा को हराती नजर आएगी तो अल्पसंख्यक वोटर खासकर मुस्लिम वोटर भी कांग्रेस के पाले में वापस लौट आएगा और अगर ऐसा हुआ तो न केवल लोकसभा में कांग्रेस की सीटें बढ़ेंगी बल्कि विपक्षी दलों में कांग्रेस खासकर राहुल गांधी की स्वीकार्यता भी बढ़ जाएगी।

सपा-बसपा भी दिखाएंगी दम

इस बीच, उत्तर प्रदेश स्थित बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और समाजवादी पार्टी (सपा) काफी जनाधार गंवाने के बावजूद भी चुनाव लड़ेंगी। जहां सपा के एकमात्र मौजूदा विधायक राजेश शुक्ला (बिजावर) पिछले साल जनवरी में राष्ट्रपति चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हो गए थे, वहीं बसपा के मौजूदा विधायक संजीव कुशवाहा भी भगवा पार्टी में शामिल हो गए हैं। हाल ही में रीवा की मनगवां सीट से बसपा की पूर्व विधायक शीला त्यागी कांग्रेस में शामिल हो गईं।

केसीआर की भी नजर

तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चरशेखर राव की भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने भी मध्य प्रदेश में विस्तार करना शुरू कर दिया है। हाल ही में दो प्रमुख चेहरों बुद्धसेन पटेल और व्यापम के व्हिसलब्लोअर आनंद राय को पार्टी में शामिल किया है। सूत्रों ने बताया कि बीआरएस जल्द ही महाराष्ट्र की तर्ज पर सभी छह जोन में अपना कार्यालय स्थापित करने की योजना बना रहा है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

फसल बुआई की देरी से जनजीवन पर प्रभाव

ज्यादातक कृषि क्षेत्र में धान, दलहन और तिलहन की बुआई में 12 दिनों से ज्यादा की देरी हो चुकी है जिससे पैदावार में कमी की अभी से आशंका जाहिर की जाने लगी है। सोयाबीन की पैदावार सबसे ज्यादा प्रभावित हो सकती है क्योंकि उसकी खेती के लिए सबसे ज्यादा पानी की आवश्यकता होती है। दलहन की बुआई मानसून के आने के बाद खेत में 2 इंच से ज्यादा पानी होने के बाद की जाती है।

चक्रवात की वजह से मानसून पर भी प्रभाव पड़ा। इसकी वजह से बारिश होने में देरी हो रही। इसका प्रभाव खरीफ की फसल पर पड़ रहा है। किसान इस खरीफ सीजन में फसलों की बुआई करने के लिए मानसून के इंतजार में है। देरी से धान, दलहन और तिलहन की बुआई पर असर पड़ता दिख रहा है। इसकी वजह से महंगाई पर भी असर होगा। इसका अर्थ है आमजीवन पर भी प्रभाव पड़ेगा। केरल में मानसून ने लेट से दस्तक दिया है और पूरे देश में मानसून में देरी के चलते सामान्य से 53 फीसदी कम बारिश हुई है। वहीं मानसून में देरी ने अल नीनो की चिंताओं को हवा देने का काम कर रहा जिसकी आशंका पहले से जताई जा रही थी। तो मानसून में देरी महंगाई के मोर्चे पर चिंता बढ़ाने का काम कर रही है। ज्यादातक कृषि क्षेत्र में धान, दलहन और तिलहन की बुआई में 12 दिनों से ज्यादा की देरी हो चुकी है जिससे पैदावार में कमी की अभी से आशंका जाहिर की जाने लगी है।

सोयाबीन की पैदावार सबसे ज्यादा प्रभावित हो सकती है क्योंकि उसकी खेती के लिए सबसे ज्यादा पानी की आवश्यकता होती है। दलहन की बुआई मानसून के आने के बाद खेत में 2 इंच से ज्यादा पानी होने के बाद की जाती है। मध्य भारत जो कृषि का प्रमुख केंद्र है वहां 55 फीसदी बारिश में कमी है. दक्षिण क्षेत्रों में 61 फीसदी और पूर्वी उत्तरपूर्व क्षेत्रों में 23 फीसदी बारिश में कमी देखी जा रही है। भारतीय मौसम विभाग ने इस वर्ष सामान्य मानसून की उम्मीद जाहिर की है जबकि मौसम की भविष्यवाणी करने वाली स्काईमेट ने जुलाई के पहले हफ्ते तक मुख्य कृषि वाले इलाकों में बारिश में कमी की आशंका जाहिर की है. अपने अनुमान में स्काईमेट ने कहा कि उत्तरी और मध्य भारत में इस वर्ष कम बारिश हो सकती है। कई दूसरी रिसर्च रिपोर्ट्स का मानना है कि इस वर्ष अल नीनो के असर के चलते सूखे जैसे हालात पैदा हो सकते हैं जिससे खाद्यान्न उत्पादन में कमी आ सकती है। पिछले हफ्ते ही विदेशी ब्रोकरेज हाउस डॉयचे बैंक ने अपने अनुमान में कहा कि अब तक बारिश सामान्य से 53 फीसदी कम है, साउथ वेस्ट मानसून में देरी से खरीफ फसल की बुआई में देरी हो रही है, ब्रोकरेज हाउस का मानना है कि अल नीनो के आशंका सच साबित हुई तो इससे मानसून में देरी से महंगाई बढ़ने का खतरा है, कमजोर मानसून के असर खरीफ फसलों की बुआई पर देखने को मिल सकता है, कम मानसून का सबसे बड़ा असर सबसे प्रमुख खरीफ फसल धान की खेती पर पड़ सकता है, अल नीनो के चलते देश में सूखा पड़ सकता है जिससे खाद्य वस्तुओं के सप्लाई पर दबाव देखने को मिल सकती है, और इसका असर खाने-पीने की चीजों की कीमतों पर असर पड़ सकता है,खाद्य वस्तुएं महंगी हो सकती है।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

टेढ़ी-संकरी राहों से प्रगति की रेखा

रेनू सैनी

जीवन में रेखाओं का बहुत महत्व होता है? हस्तरेखा, ज्यामिति रेखा, जीवनरेखा, भाग्यरेखा एवं प्रगति रेखा। प्रगति रेखा भाग्य से अधिक मेहनत का परिणाम होती है। मैक्स ओज रेलिंग कहते हैं कि च्किस्मत का मतलब है वे कष्ट और वंचनाएं जिन्हें झेलने में आप नहीं हिचकिचाएं, वे लंबी रातें जिनमें आप काम करते रहे। किस्मत का अर्थ है वे अपॉइंटमेंट्स जिन्हें आपने हमेशा निभाया, वे ट्रेनें जो आपने बिना चूके पकड़ीं। अगर आपने रेखाओं को देखा है तो यह अवश्य जानते होंगे कि बहुत कम रेखाएं ऐसी होती हैं जो सीधी होती हैं। समानांतर और सीधी रेखाएं बहुत कम लक्ष्य तक जाती हैं। उनका कोई अंत नहीं होता। जब हम सड़क पर जाते हैं तो गंतव्य तक पहुंचने का मार्ग आढ़ा-टेढ़ा ही होता है। मार्ग में अनेक मोड़ आते हैं। सड़क पर सीधा-सीधा चलने से आप अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच सकते।

ईसीजी से सभी परिचित हैं। यह टेस्ट हृदय की इलेक्ट्रिक गतिविधियों को दर्ज करता है। ईसीजी में यदि स्क्रीन पर सीधी रेखा आती है तो इसका अर्थ होता है कि व्यक्ति जीवित नहीं है। इससे भी इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है कि प्रकृति ने व्यक्ति का जीवन इस तरह का बनाया है कि वह कठोर परिश्रम करे और स्वयं को स्वस्थ रखे। प्रगति की रेखा भी कई मोड़ों से होकर गुजरती है, अर्थात प्रगति के लिए व्यक्ति को अनेक चुनौतियों एवं कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सभी सफल व्यक्तियों की प्रगति रेखा संकरी, टेढ़ी-मेढ़ी थी। लेकिन उन्होंने प्रयास करने नहीं छोड़े। जो व्यक्ति प्रयास करना नहीं छोड़ता, निरंतर लगा रहता है, उसके आगे बड़े से बड़ा व्यक्ति भी हार मान लेता है और उसकी मेहनत के आगे श्रद्धा से नत हो जाता है। बिहार में पले-बड़े बिधान चंद्र राय पढ़ने में मेधावी थे। उन्हें कोलकाता के मेडिकल कॉलेज में प्रवेश मिल गया। पिता साल भर कुछ रुपये भेजते रहे, लेकिन आर्थिक अभावों के कारण धीरे-धीरे रुपये आने कम और फिर बंद हो गए। किसी तरह उनकी छात्रवृत्ति का इंतजाम हुआ तो उन्होंने तय किया कि पढ़ने में कभी उन्नीस नहीं रहना है। कोलकाता मेडिकल कॉलेज के डिसेक्शन हॉल में एक शिलालेख पर लिखा था, तुम्हें जो भी करने को मिले, अपनी पूरी शक्ति से करना। बिधान चंद्र बार-बार इस उद्धरण को पढ़ते और जीवन में अमल करते।

आखिरकार उन्होंने भारत में मेडिकल की पढ़ाई पूरी की, अब उनकी तमन्ना इंग्लैंड के सबसे अच्छे मेडिकल कॉलेज में पढ़ने की थी। वे वहां गए तो सेंट बारथोलोम्यूज हॉस्पिटल के डीन डॉक्टर उन्हें देखते ही व्यंग्य से बोले, एक तो एशियाई, उसमें भी भारतीय और ऊपर से

बंगाली। पढ़ाई छोड़ो और किसी अस्पताल में काम करो। बिधान अलग मिट्टी के बने थे। वे जानते थे कि सफल होने के लिए मुश्किलों को सहजता से पार करना है। उन्होंने इस व्यंग्य की परवाह न की और नियम से डीन के पास जाते रहे। डेढ़ महीने में वे करीब तीस बार डीन के पास गए और यही कहते रहे कि यहां से शिक्षा प्राप्त करनी है। आखिरकार डीन का हृदय पसीज गया। बस फिर क्या था, बिधान की इच्छा पूरी हो गई और वे तन-मन से पढ़ाई में जुट गए। तय समय से पहले ही सर्जरी व मेडिसन की पढ़ाई पूरी करके उन्होंने साबित कर दिया कि भारतीय धुन और दृढ़ निश्चय के पक्के होते हैं। वे सफलता का मार्ग जानते हैं, पहचानते हैं। उपाधि सौंपते हुए डीन की आंखें नम हो गईं और वे बिधान चंद्र राय को बधाई देते हुए बोले, जब आप मेरे पास पहली बार आए, तभी आपको इस संस्थान में प्रवेश नहीं देने के अपने आचरण पर मुझे वास्तव में बहुत शर्म आ रही है। जाइए, आगे जब भी आप किसी छात्र को मेरे पास अपने पत्र के साथ भेजेंगे, तो मेरा वादा है, मैं एक सवाल नहीं करूंगा। गांधीजी के चिकित्सक रहे बिधान चंद्र राय 14 साल पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री भी रहे। भारत रत्न बिधान चंद्र राय का भारत में चिकित्सा की नींव रखने में महत्वपूर्ण योगदान रहा। बिधान चंद्र राय ने अपनी लगन और मेहनत से प्रगति की टेढ़ी-मेढ़ी और मुश्किल रेखा को पार कर इतिहास रच दिया। इतिहास वे ही रचते हैं जो चुनौतियों को मुश्किल न समझ कर उन्हें अवसर मानते हैं और फिर दृढ़-संकल्प के साथ जुट जाते हैं। सीधी-सादी रेखा पर चलने का मतलब है एक ही ढर्रे चलना। जो लोग लीक से परे चलते हैं, प्रकृति भी बाहें फैलाकर उनका स्वागत करने के लिए तैयार खड़ी होती है। कुछ लोग जीवन में परिवर्तन को बाधा मानते हैं और रुक जाते हैं, जबकि परिवर्तन भी तरक्की की एक सीढ़ी है।

अगर आप उस सीढ़ी पर चढ़ने से इंकार कर देंगे तो मंजिल तक कैसे पहुंचेंगे। अगर जीवन में परिवर्तन न होते तो प्रकृति और प्रगति की रेखाएं बिल्कुल सीधी होतीं। एक बात और दिमाग में आ रही है कि सोचिए सीधी रेखा पर चलकर सभी लोग एक जैसे बनते। फिर जीवन में विविधता कैसे और कहां से आती? प्रगति की रेखा सीधी नहीं है, इसलिए जीवन में संघर्ष है, मार्ग में हर्ष है। खुशी मनाइए कि प्रगति की रेखा आढ़ी-टेढ़ी रेखाओं के रूप में चुनौतियां लेकर आती है और कुछ लोगों को मिसाल बना कर जाती है।

वंदे भारत रेलगाड़ी बनने की अंदरूनी कसक

राजेश रामचंद्रन

वंदे भारत रेलगाड़ियों को लेकर लोगों में उत्सुकता इतनी ज्यादा है कि ओडिशा के बालासोर रेल हादसे के बावजूद यह बरकरार है। जिस त्रासदी ने 289 यात्रियों की जिंदगी लील ली और जो भारतीय रेल इतिहास की सबसे भीषण दुर्घटनाओं में से एक है, क्या इसके पीछे कोई तोड़-फोड़ है, जैसा कि रेलवे सुरक्षा आयुक्त की आरंभिक जांच रिपोर्ट आने से पहले ही तफ्तीश में सीबीआई की घोषणा करने से लग रहा है। बहरहाल, वंदे भारत का प्रचार इतना ज्यादा है कि इसका सकारात्मक पहलू भारत में रेल यात्रा से जुड़ी असुरक्षा और अप्रत्याशिता रूपी दुश्चारियों पर भारी पड़ रहा है। वास्तव में, वंदे भारत निर्माण भारतीय रेल की एकमात्र सफलता गाथा है तभी तो रेलवे विभाग इतना आत्ममुग्ध है। क्योंकि इससे पहले जो रेल डिब्बे या तकनीकें प्रयुक्त हुईं, अधिकांशत: आयातित थे। वंदे भारत रेलगाड़ी बनाना सच में 'देसी जीत' है।

कोई हैरानी नहीं कि हर नई वंदे भारत रेल को प्रधानमंत्री खुद झंडी दिखाते हैं और आगामी 26 जून को पांच ऐसी गाड्यिों का उद्घाटन करेंगे। लेकिन 26 का यह आंकड़ा वंदे भारत बनाने वाली टीम के लिए बहुत अहमियत रखता है या यूं कहें कि कई दृष्टि से चिंतित करने वाला है, जैसा कि मुझे एक सेवानिवृत्त मित्र से बातचीत में पता चला, जिनसे मेरा परिचय उस वक्त से है, जब मैं लगभग 20 साल पहले बतौर संवाददाता रेलवे विभाग देखता था। 'वंदे भारत' परियोजना को पहले 'ट्रेन-18' नाम दिया गया था। विद्रूपता यह कि रेलवे के सतर्कता विभाग ने इस परियोजना की मूल टीम के एक-दो नहीं, 26 अधिकारियों पर अभियोग पत्र दाखिल किए। इनमें महाप्रबंधक सुधांशु मणि (जो इंटीग्रल कोच फैक्टरी चेन्नई के मुखिया भी थे), से लेकर कनिष्ठ अधिकारी तक, जो कोई डिजाइन, प्रारूप, इंजीनियरिंग और डिलीवरी विभाग से जुड़ा था, पर वित्तीय गड़बड़ी के आरोप जड़ दिए गए।

इसकी शुरुआत सुधांशु मणि से हुई, जब उन्होंने अगस्त, 2016 में इंटिग्रल कोच फैक्टरी का बतौर महाप्रबंधक काम संभाला, इससे पहले वे जर्मनी में रेलवे की ओर से सौंपा गया कार्य पूरा करके लौटे थे। ऐसा शख्स, जो सबसे किफायती सेमी-हाई स्पीड रेलगाड़ी जल्द से जल्द बनाने की आकांक्षा रखता हो, इस काम के लिए उन्होंने चुनींदा टीम तैयार की। चूंकि वंदे भारत बनाने की समय सीमा 2018 रखी गई, इसलिए परियोजना को नाम दिया 'ट्रेन-18'। दिसम्बर, 2018 में भारतीय इंजीनियरों ने कर दिखाया और यह उपलब्धि भारतीय रेल इतिहास में उपलब्धि है। लेकिन सितम यह कि 15 फरवरी, 2019 के दिन, जब प्रथम वंदे भारत को झंडी दिखाने का समारोह हो रहा था तब तक सुधांशु मणि सेवामुक्त हो चुके थे और मूल निर्माण टीम का एक भी सदस्य इस अवसर पर मौजूद नहीं था। खैर, सरकार के घर काम ऐसे ही होते हैं और अक्सर श्रेय चुरा लिए जाते हैं या किसी नकारा पदाधिकारी की झोली में अनचाहे गिर जाते हैं। वंदे भारत बनाने वाली मूल टीम को तब ज्यादा खुशी होती, यदि रेलवे बोर्ड इनकी काबिलियत पर भरोसा रखते हुए, जो धन विदेशी सेमी-हाई स्पीड डिब्बों को खरीदने में लगता, उसका अंश जारी कर देता और यह लोग उतने में बना डालते।

केवल दो सालों में परियोजना पूरी करने की जल्दी और एक विश्वस्तरीय स्वदेशी रेलगाड़ी बनाने का ध्येय प्राप्त करने में जाहिर है टीम को कुछ गैर-रिवायती तौर-तरीके अपनाने ही पड़ने थे वर्ना सफलता कैसे मिलती? जहां सुधांशु मणि और उनकी टीम के बनाए रेल डिब्बे की लागत 6 करोड़ रुपये पड़ती है वहीं एक यूरोपियन रेल डिब्बे की कीमत 10-12 करोड़ रुपये के बीच होती है। प्रथम वंदे भारत को रवाना करने के बाद रेलवे बोर्ड अध्यक्ष और सतर्कता विभागाध्यक्ष ने दुर्भावनापूर्ण जांच शुरू कर दी, परिणामस्वरूप परियोजना में जिम्मेवारी उठाकर भूमिका निभाने वाले अधिकारियों पर अभियोगपत्र दाखिल हुआ। उनका अपराध इतनाभर था कि वे एक सफल टीम का हिस्सा थे। जाहिर है, एक अभियोग पत्र याफ्ता व्यक्ति को आगे पदेन तरक्की नहीं दी जाती।

इसी बीच, परिदृश्य में सीआरआरसी कॉर्पोरेशन नामक चीनी कंपनी की प्रवृष्टि होने से एक उप-साजिश चल निकली। रेलवे बोर्ड में सदा से ऐसे दलालों और मध्यस्थतों का आना-जाना रहा है जो देश-विदेश के विभिन्न उत्पादकों या सेवा-प्रदाताओं के हित साधते हैं। कुछ दशक पहले तक तो मंज़र यही था, हो सकता है अब बदलाव आया हो। बहरहाल, फैसला लेने की हैसियत रखने वाले कुछ लोगों के लिए चीनी कंपनी की पेशकश इतनी लुभायमान थी कि उसे नजरअंदाज करना मुश्किल हो गया। मणि और उनकी टीम के विरुद्ध सतर्कता मामला इसलिए खोला गया हो ताकि चीनी कंपनी के टेंडर को तरजीह मिल पाए। बेशक ऐसा करके वे कुछ अधिकारियों को एक किनारे लगाने के अपने प्रयासों में सफल रहे और सीआरआरसी का टेंडर तक पास हो चुका, लेकिन 44 सेमी हाईस्पीड रेलगाड़ियां खरीदने का मंसूबा तब खटाई में पड़ गया, जब 2020 में चीन ने लद्दाख में घुसपैठ कर दी। कुछ लोग हैं जिनका मानना है कि गलवान में हुआ टकराव वंदे भारत रेल निर्माण में दैवीय योग बनकर आया। यदि चीन ने तीन साल पहले सीमा पारीय घुसपैठ का दुस्साहस न किया होता तो 'ट्रेन-18' परियोजना 'असफलता' का कलंक कुछ अफसरों के माथे मढ़कर बंद कर दी जाती।

शरीर और मन को संतुलित करता है योग

विश्व योग दिवस 21 जून पर विशेष

21 जून को ही क्यों मनाया जाता है

21 जून की तारीख इसलिए चुनी गई क्योंकि यह ग्रीष्म संक्रांति है, जिस दिन साल के हर दूसरे दिन में सबसे ज्यादा सूरज निकलता है। 21 जून, 2015 को, प्रधान मंत्री मोदी सहित लगभग 36,000 लोगों और दुनिया भर के कई अन्य हाई-प्रोफाइल राजनीतिक हस्तियों ने नई दिल्ली में 35 मिनट के लिए 21 आसन (योग आसन) किए, जो पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस था।

हर साल की तरह इस बार भी 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भारतीय संस्कृति से उपजी योग की एक प्राचीन प्रथा है, जो किसी भी व्यक्ति के मानसिक और सामाजिक अस्तित्व को बढ़ावा देने के साथ-साथ तन और मन को संतुलित करने के लिए जानी जाती है। भारतीय संस्कृति से उपजी योग की प्राचीन प्रथा व्यापक रूप से किसी व्यक्ति के शरीर और मन को संतुलित करने के लिए जानी जाती है। योग शक्ति और लचीलापन बनाने में भी अत्यधिक महत्वपूर्ण है, और तनाव प्रबंधन निमित एक शानदार उपकरण है। संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार 'योग का सार संतुलन है' यह न केवल शरीर को स्वस्थ एवं फुर्तीला बनाता है, दुनिया के साथ मानवीय संबंधों में भी संतुलन का प्रतीक है। योग ध्यान, संयम, अनुशासन और दृढ़ता के मूल्यों पर जोर देता है।

योगा दिवस की थीम

आयुष मंत्रालय द्वारा इस बार योगा दिवस की थीम वन वर्ल्ड, वन हेल्थ रखी गई है। यह थीम वसुधैव कुटुम्बकम के आधार पर रखा गया है। आपको बता दें कि स्वस्थ दिनचर्या के लिए योग करना बहुत जरूरी है। योग शरीर को ऊर्जावान रखने में मदद करता है। योग के इसी महत्व को समझाने के लिए 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। नियमित योग करने से आपके आस पास बीमारियों फटक नहीं सकती हैं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का इतिहास

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का विचार पहली बार भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 27 सितंबर, 2014 को आया, जब उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने भाषण के दौरान प्रस्तावित किया था। इसके बाद, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर एक मसौदा संकल्प संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत अशोक कुमार मुखर्जी द्वारा पेश किया गया था। इस मसौदे को 177 देशों से समर्थन प्राप्त हुआ। यह भारत के लिए गौरव की बात थी, जो किसी भी यूएनजीए प्रस्ताव के लिए सह-प्रायोजकों की सबसे बड़ी संख्या है। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून 2015 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित करते हुए पहली बार आयोजन किया गया। जो आज भी विश्वव्यापी समर्थन के साथ जारी है।

योग दिवस का महत्व

इस वर्ष दुनिया भर में 9वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। इस दिन लोग पार्क अथवा किसी खुले स्थान पर एकत्र होकर सामूहिक रूप से योग के विभिन्न आसन करते हैं। योग के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु हर साल अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। मान्यता है कि योग की उत्पत्ति हजारों साल पहले भारत में हुई थी। इसका उल्लेख ऋग्वेद जैसी प्राचीन पौराणिक पुस्तकों में भी मिलता है। प्रतिदिन योग का अभ्यास करने से मनुष्य के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। साथ ही इससे शरीर में लचीलापन, मांसपेशियों की ताकत और बॉडी टोन बढ़ाने में भी मदद करता है। योग के विभिन्न आसनों से श्वसन, ऊर्जा और जीवन शैली में सुधार आता है। यह तनाव और चिंता को आपके अनुरूप मैनेज करने में मदद करता है और तनाव मुक्त रखता है।

हंसना मना है

दादी- लगता है उस लड़की को लकवा हो गया है। देख कैसे उसका एक हाथ ऊपर हो रहा है और मुंह पिचका सा हो गया है। पोता- दादी लकवा नहीं, वह सेल्फी ले रही है।

प्राइमरी स्कूल में मैडम जी गहरी नींद में सो रही थी तभी कलेक्टर साहब आ गये, बहुत देर उठाने के बाद जब मैडम की नींद खुली, नींद खुलते ही मैडम कलेक्टर को देखते हुए बोली-तो बच्चों समझ गए ना , कुंभकर्ण ऐसे सोता था कलेक्टर साहब बेहोश।

एक आदमी वकील बन गया, उनको पहला केस मिला, मुलजिम- वकील साहब कोशिश करना उम्र कैद हो, फंसी ना हो, वकील- तुम चिंता मत करो, मैं हु ना पेशी के बाद कोर्ट से बाहर आते हुए पत्रकार- क्या हुआ वकील- बहुत मुश्किल से उम्र कैद करवाई है, वरना जज तो रिहा कर रहा था।

रमेश के पास रात को सांताक्लॉज आया और बोला-कोई विश मांगो, रमेश बोला- मेरी बीवी झगड़ा बहुत करती है कोई दूसरी बीवी दिलवा दो। सांताक्लॉज ने रमेश को बहुत मारा। फिर पता चला रमेश की बीवी ही सांताक्लॉज बन के आयी थी।

कहानी — होशियार कार्यकर्ता

एक मेहनती लकड़हारे ने एक लकड़ी के व्यापारी से नौकरी मांगी और बोला मैं बहुत मेहनत करूंगा। लकड़ी के व्यापारी ने खुश हो कर उसे अच्छे वेतन पे रख लिया और कहा अगर तुम मेहनत से काम करते रहे तो अगले महीने से तुम्हारा वेतन और भी बढ़ा दूंगा। फिर उसे एक कुल्हाड़ी दी और उसे वह जगह दिखाई जहां से लकड़ी काटनी थी। लकड़हारा खुश हुआ, वह पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ लकड़ी काटने में जुट गया। और उस दिन उसने पूरे 25 पेड़ काट दिए। उसके मालिक ने लकड़हारे को बधाई थी। दूसरे दिन फिर लकड़हारा पूरे ईमानदारी और मेहनत के साथ अपने काम में लग गया पर उस दिन वह सिर्फ 20 ही पेड़ काट पाया। तीसरे दिन उसने फिर कम पेड़ काटे। हर रोज पेड़ कम कट रहे थे ये देख के लकड़हारा चिंतित हो गया और अपने मालिक के पास गया। लकड़हारा मालिक से बोला मुझे माफ़ करिये मै रोज और ज्यादा मेहनत करता हूं पर पता नहीं क्यों कम पेड़ ही काट पा रहा हूं। मुझे लगता है की शायद मैं कमजोर हो गया हूं। उसके मालिक ने पूछा अच्छा ये बताओ तुमने पिछली बार कुल्हाड़ी की धार कब तेज की थी। इस पर लकड़हारे ने जवाब दिया मैं कुल्हाड़ी के धार को तेज करने में समय नहीं बर्बाद करना चाहता मैं तो बस ज्यादा से ज्यादा पेड़ काटना चाहता हूं इसलिए मैंने कभी भी कुल्हाड़ी की धार तेज नहीं की।

कहानी से सीख- इस कहनी से हमें ये शिक्षा मिलती है की हमें मेहनत की जगह दिमाग से काम करना चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। आपके कुछ नए दोस्त बनने की संभावना है। आपका सामाजिक दायरा बहुत हद तक बढ़ सकता है।

वृषभ समाज में आपका यश और इज्जत बढ़ेगी। दफ्तर में कोई खुशखबरी मिल सकती है। प्रेमी जोड़ों के लिए अच्छा समय है। कुंवारों की जिंदगी में भी कोई विशेष व्यक्ति आएगा।

मिथुन आज ऑफिस के काम में आपको कई चुनौतियां आ सकती हैं। आपको अपने किसी खास काम में मित्र की मदद मिलेगी। आपका काम पूरा होगा।

कर्क आज का दिन मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा। आप दूसरों पर अपने शब्दों से प्रभाव डालेंगे। लेकिन आपकी सेहत आपका सहयोग नही करेगी।

सिंह आज किसी काम से भागदौड़ अधिक हो सकती है। परिवार के किसी सदस्य से आपकी थोड़ी अनबन होने की संभावना है। आपको कोई नया काम सिखने का अवसर मिलेगा।

कन्या आपको जल्द ही घर में किसी नए सदस्य के आने के बारे में अच्छा समाचार सुनने को मिलेगा। आपके जीवनसाथी के साथ आपके रिश्ते में सुधार आएगा।

तुला आज माता-पिता अपने बच्चों के साथ पिकनिक स्पॉट पर जाएंगे। आप किसी समारोह में जाने की प्लानिंग करेंगे। ऑफिस में माहौल थोड़ा गंभीर रह सकता है।

वृश्चिक उच्च अधिकारियों से मधुर संबंध बनाकर रखें। आर्थिक मामलों में थोड़ा संभल कर चलें। जरुरत से अधिक खर्च परेशानियां पैदा कर देगा। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

धनु आज आपके सारे काम मन-मुताबिक पूरे होंगे। आप अपने बच्चों के साथ खुशी के पल बितायेंगे। पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे।

मकर आज आप उच्च अधिकारियों या समाज के उच्च व्यक्तियों के संपर्क में आ सकते हैं। हालांकि आपको अपनी कार्य शैली में कुछ परिवर्तन करना पड़ सकता है।

कुम्भ आज आपका कोई बड़ा काम संतान की मदद से पूरा हो जायेगा। माता-पिता का सहयोग भी बना रहेगा। शाम को उनके साथ किसी धार्मिक स्थल पर जायेंगे।

मीन अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखें। आज आपके किये हुए अच्छे कार्यों का श्रेय आपको नहीं मिलेगा, अपितु बदनामी मिल सकती है। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं प्यार में स्वतंत्रता चाहती हूं: पूजा भट्ट

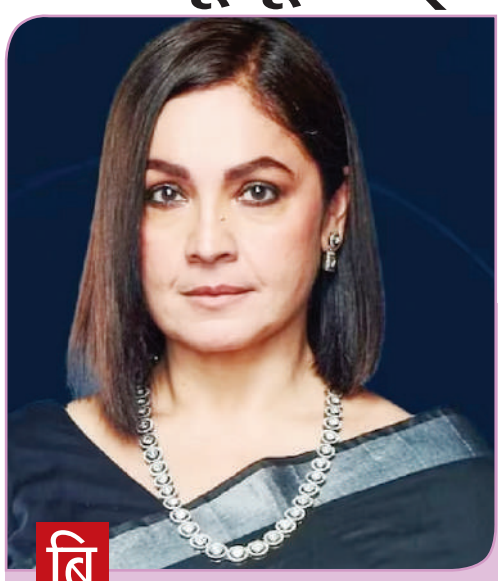

बिग बॉस ओटीटी 2 शो में कंटेस्टेंट्स को आए अभी एक दिन ही हुआ है और घर में प्यार की हवा चलने लगी है। कंटेस्टेंट पूजा भट्ट ने बताया कि उन्हें प्यार में क्या चाहिए जबकि जिया शंकर और जाद हदीद एक-दूसरे से फ्लर्ट करते नजर आ रहे हैं। जिया और हदीद की फ्लर्टिंग को देख लोगों का मानना है कि जल्द ही दोनों की केमिस्ट्री प्यार में बदलने वाली है। जिया हदीद से कहती है कि वह उन्हें पसंद करती है। प्यार पर अपने विचार व्यक्त करते हुए पूजा भट्ट कहती है कि वह प्यार में फ्रीडम चाहती हैं। उनका मंत्र बेहद सिंपल है, दिल की सुनो और पार्टनर विरोध करें तो भाड़ में गया लव। बिग बॉस ओटीटी में एक्ट्रेस पूजा भट्ट बतौर कंटेस्टेंट के तौर पर आई हैं। फिलहाल घर में उन्हीं का राज चल रहा है। पूजा बिग बॉस हाउस में ट्रॉफी के लिए अन्य सदस्यों के साथ मुकाबला करते हुए नजर आएंगी। महज 24 घंटे में शो से पहला कंटेस्टेंट घर से बाहर हो गया। सोशल मीडिया सनसनी पुनीत सुपरस्टार को शो में एंट्री के महज 24 घंटे के अंदर बिग बॉस ओटीटी 2 से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। पुनीत सुपरस्टार के नाम से मशहूर पुनीत शर्मा को घर से बाहर करने के लिए बिग बॉस ने घरवालों से वोट के जरिए उनसे राय मांगी। ज्यादातर कंटेस्टेंट्स ने पुनीत को घर से निकालने पर अपना समर्थन दिया। सलमान खान द्वारा होस्ट किया गया बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 जियोसिनेमा पर प्रसारित हो रहा है।

विवादों के बीच आदिपुरुष ने तीन दिन में कमाये 340 करोड़ रुपये

बॉलीवुड | मसाला

ओम राउत द्वारा निर्देशित फिल्म 'आदिपुरुष' ने तीन दिन में वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर 340 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। फिल्म के निर्माताओं ने सोमवार को यह दावा किया। फिल्म निर्माता कंपनी टी-सीरीज ने दावा किया कि फिल्म ने रिलीज के तीसरे दिन वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये की कमाई की।

कंपनी ने ट्विटर पर जारी एक बयान में कहा, फिल्म आदिपुरुष ने बॉक्स ऑफिस पर पहले सप्ताहांत में आश्चर्यजनक रूप से 340 करोड़ रुपये की कमाई की। यह फिल्म हर उम्र के दर्शकों को पसंद आ रही है। जय श्री राम.. फिल्म में प्रभास भगवान श्रीराम, कृति सेनन माता सीता और सैफ अली खान लंकापति रावण के किरदार में हैं।

भूषण कुमार द्वारा निर्मित इस फिल्म के संवाद को लेकर सोशल मीडिया पर आलोचना के बाद फिल्म के संवाद लेखक मनोज मुंतशिर शुक्ला ने रविवार को एक बयान जारी कर कहा कि निर्माताओं ने कुछ संवादों को संशोधित करने का फैसला किया है और इस सप्ताह तक फिल्म में संशोधित पंक्तियां जोड़ दी जाएंगी। फिल्म को तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, हिंदी और तमिल में भी रिलीज किया गया है।डायलॉग्स पर फिर से विचार कर रहे हैं, यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि इसे फिर से लिखा जाए और जो अगले कुछ दिनों में सिनेमाघरों में दिखाया जायेगा। यह फैसला इस बात का प्रमाण है कि बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कलेक्शन के बावजूद, टीम इस बात को ध्यान में रख रही है कि उनके दर्शकों की भावनाओं को ठेस ना पहुंचे।

जाह्नवी कपूर ने शुरू की फिल्म उलझ की शूटिंग

जान्हवी कपूर, गुलशन देवैया और रोशन मैथ्यू ने लंदन में उलझ की शूटिंग शुरू कर दी है। जान्हवी ने इंस्टाग्राम पर सेट से एक फोटो शेयर की। फोटो में फिल्म का क्लैपबोर्ड और उनकी आंखें देखी जा सकती हैं। फोटो में कैप्शन में एक्ट्रेस ने लिखा: उलझ राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता सुधांशु सरिया द्वारा निर्देशित और जंगली पिक्चर्स द्वारा निर्मित यह फिल्म देशभक्ति पर आधारित है। फिल्म में जाह्नवी कपूर भारतीय विदेश सेवा के युवा अधिकारी (आईएफएस) के किरदार में नजर आएंगी। कपूर, देवैया और मैथ्यू के

बॉलीवुड | गपशप

अलावा इस फिल्म में राजेश तैलंग, मेयांग चांग, सचिन खेडेकर, राजेंद्र गुप्ता और जितेंद्र जोशी भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे।

गुलशन और रोशन ने भी अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर यही फोटो शेयर की.फिल्म भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) के बारे में है और शूटिंग का बड़ा हिस्सा अलग-अलग विदेशी जगहों पर किए जाने की उम्मीद है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता सुधांशु सरिया द्वारा निर्देशित फिल्म उलझ जान्हवी द्वारा निभाई गई एक युवा आईएफएस अधिकारी की कहानी है।

फिल्म का निर्माण जंगली पिक्चर्स द्वारा किया जा रहा है, और इसमें राजेश तैलंग, मियांग चांग, सचिन खेडेकर, राजेंद्र गुप्ता और जितेंद्र जोशी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

जान्हवी वरुण धवन के साथ बवाल में नजर आएंगी। उनके पास राजकुमार राव अभिनीत मिस्टर एंड मिसेज माही भी है।

अजब-गजब | कंपनी का कहना है कि एक अच्छा और सुलझा हुआ कर्मचारी ही अपना काम अच्छे से कर सकता है।

बीवी से गद्दारी की तो नौकरी से निकाल देती है यह कंपनी! मना है शादी के बाद अफेयर...

कंपनी में काम करने वाले कर्मचारियों को कुछ सुविधाएं दी जाती हैं और साथ ही कुछ हिदायतें भी दी जाती हैं। अगर कोई उसके नियम-कानून का उल्लंघन करता है तो सज़ा भी दी जाती है। ये नियम कंपनी खुद तय करती है और कर्मचारी इस पर अपनी सहमति भी देते हैं। आज हम एक ऐसी कंपनी के बारे में बताएंगे, जो अजीबोगरीब नियम की वजह से चर्चा में है।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक ये कंपनी चीन के ज़ेजियांग प्रांत में है। 9 जून को इस कंपनी की ओर से ये आदेश जारी किया गया कि यहां काम करने वाले कर्मचारियों का अगर शादी से इतर कोई संबंध पाया गया, तो उन्हें नौकरी से हाथ धोना पड़ जाएगा। जी हां, आपने सही सुना, कंपनी में काम करने की यही शर्त है।

कंपनी का ये अजीबोगरीब ऑर्डर हर किसी पर लागू किया जाएगा। कंपनी की ओर से बताया गया है कि ये संस्था के आंतरिक प्रबंधन को मजबूत करने के लिए बनाया गया नियम है। कॉर्पोरेट कल्चर में कर्मचारी का परिवार के लिए वफादार होना, पति-पत्नी में प्यार होना और परिवार को सुरक्षित रखते हुए काम पर ध्यान लगाना ज़रूरी है। जो कर्मचारी शादीशुदा हैं, उनके एक्स्ट्रामैरिटल अफेयर पर कंपनी ने रोक लगाई है। अगर कोई इस नियम को तोड़ता दिखा, तो उसे निकाल दिया जाएगा। कर्मचारियों को 4 चीज़ों से मनाही है। अनैतिक रिश्ता, पार्टनर से अलग कोई शख्स, विवाहेत्तर संबंध और तलाक।

कंपनी का कहना है कि एक अच्छा और सुलझा हुआ कर्मचारी ही अपना काम अच्छे से कर सकता है। ये पता नहीं चल रहा है कि आखिर कंपनी ने ये निर्णय क्यों लिया। वकील शेन डॉन्ग के मुताबिक कंपनी सिर्फ इस बिनाह पर किसी को नहीं निकाल सकती है कि उसका अफेयर है। सोशल मीडिया पर इस नियम को मिक्स्ड रिएक्शन मिल रहे हैं। कोई इसे सही बता रहा है तो कोई गलत।

यहां इंसानों के साथ रहते हैं भूत गांव में हर घर के आगे...उनका घर

गांव से जुड़ी अजीबोगरीब मान्यताओं के बारे में तो आपने सुना ही होगा, लेकिन रांची के एक गांव की मान्यता आपको हैरान कर देगी। रांची से 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित खूंटी जिले में भूत गांव है, जहां हर घर के बाहर कब्र बनी है। जी हां, इस गांव में हर घर के बाहर भूत की कब्र होती है। इन कब्रों की हमेशा पूजा की जाती है और कोई भी शुभ कार्य भूत की पूजा के बिना अधूरा है। भूत गांव निवासी प्रकाश बताते हैं इस गांव में करीब 300 से अधिक घर हैं और यहां हर घर के बाहर एक कब्र है। असल में यह हमारे पूर्वजों की कब्र है, जिसे हम भूत कहते हैं। इसी के नाम पर गांव का नाम भी पड़ा है। आगे बताया कि हमारे आदिवासी समुदाय में ईश्वर, प्रभु या देवता को भूत ही कहा जाता है और हम अपने पूर्वज को ही अपना ईश्वर मानते हैं, इसलिए ये सारी कब्र हमारे पूर्वज की हैं और इनको हम ईश्वर मानते हुए इनकी पूजा करते हैं। गांव वालों का मानना है कि भूतों की पूजा से घर में सुख समृद्धि आती है। प्रकाश बताते हैं कि साल में जितने भी शुभ कार्य होते हैं, चाहे बच्चों का मुंडन हो, बर्थडे हो या फिर कर्मा व सरहुल जैसे पर्व, घर में कोई छोटा पूजा-पाठ उनमें भूतों की पूजा सबसे पहले की जाती है। शुभ कार्य शुरू करने के पहले हम पूर्वजों का आशीर्वाद लेना नहीं भूलते। कहा जाता है ऐसा करने से पूरे गांव पर पूर्वजों का आशीर्वाद बरकरार रहता है। बताया, यह परंपरा आदि काल से चली आ रही है। जब भी किसी बुजुर्ग का देहांत होता तो उसके नाम से कब्र घर के बाहर बना देते हैं और उसमें उस व्यक्ति की सारी जानकारी होती है। जैसे वह किस दिन मरा, किसने अंतिम संस्कार किया, भोज में कितने लोग थे, भोज का खर्च किसने उठाया व किस बीमारी से मृत्यु हुई, कितने साल तक जिंदा रहे। प्रकाश ने बताया, यह इसलिए करते हैं क्योंकि इससे हमारी पूर्वजों की यादें ताजा रहती हैं। उनको मान सम्मान मिल पाता है, जिसके वे हकदार हैं। इसलिए हम अपने घर के आगे कब्र बनाते हैं। हम सबसे पहले प्राथमिकता अपने पूर्वज को देते हैं। घर में घुसने के पहले अपने पूर्वज को हम प्रणाम करते हैं और उनका आशीर्वाद लेते हैं। अगर आप भी भूत गांव आना चाहते हैं और हर घर के बाहर कब्र देखना चाहते हैं या फिर आदिवासी समुदाय के परंपरा को समझना चाहते हैं तो इस लिंक के जरिए आप गूगल मैप की मदद ले सकते हैं।

चौपट प्रदेश बन गया एमपी : कमलनाथ

बोले- पुलिस लोगों को परेशान न करे, वर्दी की इज्जत करना सीखें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उज्जैन। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के निशाने पर पहले अफसर थे, अब पुलिस आ गई है। उन्होंने उज्जैन के महिदपुर में पुलिस को चेतावनी दे दी। उन्होंने कहा कि पुलिस लोगों को परेशान कर रही है। पुलिस वालों को वर्दी की इज्जत करना सीख लेना चाहिए। वरना कमलनाथ की चक्की देर से चलती है मगर बहुत बारीक से पीसती है।

महिदपुर में आम सभा में कमलनाथ ने कहा कि यह मध्यप्रदेश नहीं, चौपट प्रदेश है। यहां की सरकार चौपट है। यहां की शिक्षा व्यवस्था चौपट है। यहा रोजगार चौपट है। यहां की कानून और स्वास्थ्य व्यवस्था भी चौपट है। मध्यप्रदेश में 18 वर्षों से शिवराज सिंह चौहान की सरकार है, जिसके पास बताने के लिए कोई विकास कार्य नहीं है। इनके कार्यकाल में भ्रष्टाचार जरूर बढ़ा है। कुछ महीने और फिर मध्यप्रदेश मे कांग्रेस की सरकार आ रही है।

भ्रष्टाचार ऊपर से शुरू होकर नीचे तक जा रहा है

कमलनाथ ने सोमवार को सबसे पहले पदाधिकारियों की बैठक की। उसके बाद आमसभा को संबोधित करते हुए कहा कि महिदपुर वह क्षेत्र है, जहां मध्यप्रदेश में उज्जैन जिले में सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार होता है। भ्रष्टाचार ऊपर से शुरू होकर नीचे तक पहुंचता है। इस सरकार से प्रदेश का हर वर्ग परेशान है। मजदूर परेशान है। युवा बेरोजगारी से परेशान है। किसान खाद-बीज न मिलने से परेशान है। व्यापारी वर्ग भी नई-नई नीतियों के कारण परेशान हो रहे हैं। हमारी चिंता यही है कि मध्यप्रदेश को आखिर कैसे सुरक्षित रखा जा सके? धर्म के नाम पर जो राजनीति करते हैं, उन्होंने धर्म को भी भ्रष्टाचार का माध्यम बना लिया है। महाकाल लोक का घोटाला एक ऐसा घोटाला है, जिससे पूरे विश्व में मध्य प्रदेश सरकार कलंकित हुई है।

खोखली सरकार को विदा करने का समय आ गया

मध्य प्रदेश की इस खोखली सरकार को विदा करने का समय आ गया है और हम मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को विदा करने के लिए बिल्कुल तैयार है। कांग्रेस की इस सभा में मंच के पीछे लगे पोस्टर पर स्लोगन लिखा था। उस पर लिखा था। जनता खड़ी है साथ लौट रहे हैं कमलनाथ। आम सभा में हजारों लोगों की भीड़ थी। आमसभा में कई बार पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के भ्रष्टाचार मिटाने और मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार को वापस लाने की बात पर हजारों लोगों ने हाथ उठाकर हामी भरी।

'बीजेपी से गठबंधन पर सोचना पड़ेगा'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। मणिपुर में पिछले डेढ़ महीने से हिंसा जारी है। तमाम कोशिशों के बावजूद अभी तक हालात काबू में नहीं हो पा रहे हैं। इस बीच मणिपुर

में बीजेपी की सहयोगी नैशनल पीपल्स पार्टी (एनपीपी) ने बड़ा बयान दिया है।

एनपीपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वाई जॉयकुमार सिंह ने कहा कि अगर आने वाले दिनों में स्थिति नहीं सुधरी तो हमें बीजेपी के साथ अपने गठबंधन पर विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। जॉयकुमार ने कहा कि मणिपुर में अनुच्छेद 355 लागू है इसलिए यहां के लोगों की सुरक्षा करना राज्य और केंद्र की जिम्मेदारी है लेकिन हिंसा से निपटने के लिए कोई उचित योजना नहीं बनाई जा रही है। फिलहाल हालात में सुधार के कोई आसार नहीं दिख रहे हैं। जॉयकुमार ने कहा कि हमने सीएम को अपना ज्ञापन सौंप दिया है कि क्या कदम उठाए जाने की जरूरत है। मामले को शुरुआत में ही बेहतर तरीके से संभालना चाहिए था।

बुंदेलखंड में होगी भारी बरसात, पूर्वी उप्र में लू का अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कमजोर पड़ते बिपरजॉय के चलते अगले दो दिन यानी आज और कल इसका असर बुंदेलखंड में भारी बारिश के रूप में देखने को मिलेगा। इसे लेकर मौसम विभाग ने अलर्ट भी जारी किया है। वहीं पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोग तपिश, लू का प्रकोप झेल रहे हैं और मंगलवार तक यही स्थिति बनी रहेगी। इसे लेकर आरेंज अलर्ट भी मौसम विभाग ने जारी किया है।

आंचलिक मौसम विभाग के मुताबिक, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बिपरजॉय इफेक्ट के चलते हुई बरसात ने तापमान को एकदम से गिरा दिया। आगरा में अधिकतम तापमान 31..7 डिग्री दर्ज हुआ, इसमें 11..2 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। कानपुर, लखनऊ, उरई, मेरठ, आगरा, फुरसतगंज, अलीगढ़ में बरसात रिकॉर्ड की गई। वहीं पूर्वी उत्तर प्रदेश भीषण गर्मी से बेहाल रहा।

21 जून तक हो सकती है मानसून की इंट्री

मौसम विशेषज्ञ एचआर रंजन के मुताबिक, बीते दिनों जिस गति से मानसून आगे बढ़ रहा था, उसके 21-22 तक यूपी में पहुंचने के आसार थे। आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक, आज दक्षिणी पश्चिमी मानसून बिहार के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ा है। आगामी दो-तीन दिन में इसके पूर्वी उत्तर प्रदेश में प्रवेश करने व कुछ हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। इसके चलते 21 जून से पूर्वी उत्तर प्रदेश को लू व गर्म हवा से क्रमिक तौर पर राहत मिलने की संभावना है।

'श्रीरामकथा के प्रेरक चरित्रों को संकुचित करने का प्रयास किया जा रहा'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा विधायक शिवपाल सिंह यादव ने फिल्म आदिपुरुष पर मचे विवाद को लेकर भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इस फिल्म के जरिए भगवान श्रीराम कथा से जुड़े प्रेरक चरित्रों को संकुचित करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए भाजपाइयों को देश से माफी मांगनी चाहिए।

उन्होंने ट्वीट कर कहा कि सस्ते व सतही संवाद वाले सिनेमा के जरिए मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम व उनकी कथा के विराट व प्रेरक चरित्रों को संकुचित करने का प्रयास किया जा रहा है। करोड़ों आस्थावान सनातनी आहत हैं,इस कृत्य के लिए तथाकथित सनातनी भाजपाई देश से माफी मांगे। ये काम ना करो, राम का नाम बदनाम ना करो!

फोटो :4 पीएम

आक्रोश आदिपुरुष फिल्म में अभद्र डायलॉग के विरोध में डायलॉग राइटर मनोज मुंतसिर का पुतला हजरतगंज चौराहे पर जलाकर अपना विरोध जताते युवा।

चमड़ा फैक्टरी में लगी भीषण आग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कानपुर नेशनल हाईवे पर दही चौकी औद्योगिक क्षेत्र में स्थित चर्म उत्पाद बनाने वाली फैक्टरी एसके इंटरनेशनल में सुबह करीब चार बजे संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। चमड़ा, केमिकल और अन्य ज्वलनशील समान होने से आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। सूचना पर दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची, लेकिन काबू नहीं पा सके। इसके बाद कानपुर से भी दमकल मंगानी पड़ीं। करीब पांच घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। बता दें कि दही थाना क्षेत्र के एसके इंटरनेशनल लेदर फैक्टरी में सुबह करीब चार बजे में आग लग गई।

तलवार बाज भवानी ने रचा इतिहास

एशियाई तलवारबाजी में कांसा जीतने वाली बनीं पहली भारतीय खिलाड़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नयी दिल्ली। भारत की तलवारबाज खिलाड़ी सीए भवानी देवी ने एशियाई तलवारबाजी चैम्पियनशिप मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है। भारतीय खिलाड़ी भवानी देवी ने इस चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीतकर भारत का नाम रौशन किया है। इससे पहले उन्होंने क्वार्टरफाइनल मुकाबले में मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन को मात देकर पदक पक्का किया था।

चीन के वुक्सी में हो रही चैंपियनशिप में तलवारबाज सीए भवानी देवी ने सोमवार को महिला सेबर प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबले में हार का सामना किया। इसके बाद भी उन्होंने कांस्य पदक जीतकर भारत के लिए इतिहास रच दिया। तलवारबाजी में पदक लाने वाली सीए भवानी देवी भारत की पहली खिलाड़ी है। ऐसे में ये पदक भारत के लिए बेहद खास है। सेमीफाइनल मुकाबले में भवानी को उज्बेकिस्तान की जेनाब डेयिबेकोवा के खिलाफ कड़े मुकाबले में 14-15 से हार का सामना करना पड़ा लेकिन उन्होंने इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भारत के लिए पहला पदक सुनिश्चित किया। भवानी ने क्वार्टर फाइनल में गत विश्व चैंपियन जापान की मिसाकी एमुरा को 15-10 से हराकर उलटफेर किया था। मिसाकी के खिलाफ यह भवानी की पहली जीत थी। इससे पहले उन्होंने जापान की खिलाड़ी के खिलाफ अपने सभी मुकाबले गंवाए थे।

शाटपुट में तूर ने बनाया रिकॉर्ड, विश्व चैंपियनशिप में क्वालीफाई

नई दिल्ली। तेजिंदर पाल तूर ने विश्व चैम्पियनशिप के लिये क्वालीफाई कर लिया है। उन्होंने एशियाई खेलों के लिए भी क्वालीफाई किया जिसका क्वालीफाइंग मानक 19 मीटर का है। इस चैंपियनशिप में उन्होंने एशियाई रिकॉर्ड को भी तोड़ कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। एशियाई गेम्स 2018 के गोल्ड मेडलिस्ट तेजिंदर पाल सिंह तूर ने राष्ट्रीय अंतरराज्यीय चैम्पियनशिप के अंतिम दिन 21.77 मीटर का थ्रो डाला। इस थ्रो को डालते ही उन्होंने शॉटपुट स्पर्धा में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इस 28 वर्षीय एथलीट ने कलिंग स्टेडियम में तीसरे थ्रो में 21.77 मीटर दूर गोला फेंका और ये रिकॉर्ड हासिल किया।

भारत की प्राथमिकता में विश्व शांति : मोदी

» बोले- सभी देश अंतरराष्ट्रीय कानून और संप्रभुता का सम्मान करें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल दिए इंटरव्यू में रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर सवाल किया गया, जिसके जवाब में पीएम मोदी ने कहा कि भारत शांति के पक्ष में है और शांति ही भारत की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, सभी देशों को अंतरराष्ट्रीय कानून और देशों की संप्रभुता का सम्मान करना चाहिए। विवादों को कूटनीति और संवाद से सुलझाया जाना चाहिए, न कि युद्ध से। कुछ लोग कहते हैं कि हम तटस्थ हैं, लेकिन हम तटस्थ नहीं हैं। हम शांति के पक्ष में हैं, दुनिया को पूरा भरोसा है कि भारत की सर्वोच्च प्राथमिकता शांति है।

पीएम मोदी ने चीन को चेतावनी दे दी है। उन्होंने कहा, चीन के साथ द्विपक्षीय संबंधों के लिए एलएसी पर शांति बहाली जरूरी है। संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने, कानून के शासन का पालन करने और मतभेदों और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान में हमारा मूल विश्वास है। साथ ही, हम भारत अपनी संप्रभुता और गरिमा की रक्षा के लिए पूरी तरह से तैयार और प्रतिबद्ध हैं। यूएन को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत यूएन का हिस्सा बनना चाहता है। उन्होंने कहा, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की वर्तमान सदस्यता का मूल्यांकन होना चाहिए और दुनिया से पूछा जाना चाहिए कि क्या वह भारत को वहां रखना चाहती है।

आजाद भारत में जन्मा पहला पीएम हूं

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं स्वतंत्र भारत में जन्म लेने वाला पहला प्रधानमंत्री हूं। इसलिए मेरी विचार प्रक्रिया मेरे देश की विशेषताओं और परंपराओं से प्रेरित और प्रभावित है। पीएम मोदी ने कहा किभारत अधिक उच्च, गहरी और व्यापक प्रोफाइल और एक भूमिका का हकदार है।

भारत किसी अन्य देश से पीछे नहीं

पीएम मोदी ने कहा कि भारत और अमेरिका के नेताओं में एक-दूसरे के प्रति अभूतपूर्व विश्वास पैदा हुआ है। हम भारत को किसी अन्य देश के पीछे नहीं देखते हैं, हम भारत को दुनिया में उसकी सही जगह देख रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आज की दुनिया पहले से कहीं ज्यादा इंटरकनेक्टेड और इंटरडिपेंडेंट हैं। उन्होंने कहा कि सप्लाई चेन में और विविधता लाने की जरूरत है।

अमेरिका यात्रा पर पहुंचे प्रधानमंत्री

वाशिंगटन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संयुत राज्य अमेरिका की अपनी पहली राजकीय यात्रा के लिए दिल्ली से रवाना हो चुके हैं। वे 21-23 जून तक अमेरिका के दौरे पर रहेंगे। पीएम के आधिकारिक दौरे की शुरुआत 21 जून की सुबह न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र के मुयालय में योग दिवस समारोह से होगी। इस बीच, सामने आया है कि इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी 24 खास लोगों से मिलेंगे। इनमें नोबेल पुरस्कार विजेता, अर्थशास्त्री, कलाकार, वैज्ञानिक, विद्वान, उद्यमी, शिक्षाविद, स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञ आदि शामिल हैं।

24 खास लोगों से मुलाकात करेंगे

अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिन खास 24 लोगों से मुलाकात करेंगे उनमें टेस्ला के सह-संस्थापक एलोन मस्क, एस्ट्रोफिजिसिस्ट नील डेग्रासे टायसन, ग्रैमी पुरस्कार विजेता भारतीय-अमेरिकी गायक फालू (फाल्गुनी शाह) भी शामिल हैं। इनके अलावा वे पॉल रोमर, निकोलस नसीम तालेब, रे डालियो, जेफ स्मिथ, माइकल फ्रोमैन डैनियल रसेल, एलब्रिज कोल्बी और डॉ पीटर आग्रे, डॉ स्टीफन लास्को और चंद्रिका टंडन से भी मुलाकात करेंगे।

कल योग दिवस में लेंगे भाग

21 जून को न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह की अगुवाई करेंगे। इसके बाद पीएम मोदी वाशिंगटन डीसी जाएंगे। यहां व्हाइट हाउस में उनका पारंपरिक स्वागत किया जाएगा। इसके बाद पीएम मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रथम महिला जिल बाइडन 22 जून की शाम प्रधानमंत्री मोदी के सम्मान में राजकीय रात्रिभोज (डिनर) की मेजबानी करेंगे।

राजकीय यात्रा से पूर्व अमेरिका में भारी उत्साह

पीएम मोदी की अमेरिकी यात्रा से पहले भारतीय-अमेरिकियों के एक बड़े हिस्से में खुशी और उत्साह का माहौल है। सैकड़ों भारतवंशी देश के प्रमुख स्थानों पर एकत्र हुए और मोदी के समर्थन में नारेबाजी की। वाशिंगटन डीसी व उसके आसपास के क्षेत्रों में सैकड़ों भारतीय-अमेरिकी एकता का संदेश देने के लिए राष्ट्रीय स्मारक के पास जुटे व जुलूस निकाला।

फोटो : 4पीएम

विलय प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने नागरिक एकता पार्टी का कांग्रेस में विलय कराया। इस मौके पर नसीमुद्दीन सिद्दीकी, नकुल दुबे व अन्य कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

केदारनाथ के गर्भगृह में महिला ने उड़ाए नोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। एक तरफ भगवान केदारनाथ की यात्रा में लाखों श्रद्धालु आ रहे हैं तो दूसरी तरफ उसी केदारनाथ मंदिर के गर्भगृह का एक वीडियो वायरल हो रहा है।

जिसमें एक महिला केदारनाथ के शिवलिंग पर नोट उड़ाते दिख रही है, हैरानी की बात ये भी है कि इस दौरान वहां मौजूद पंडित पूजा भी संपन्न करा रहा है और बैकग्राउंड में गाना बज रहा है- क्या कभी अम्बर से सूर्य बिछड़ता है। पूरे मामल का वीडियो वायरल होने पर हड़कंप मच गया है। जिसके बाद रूद्रप्रयाग पुलिस की ओर से मामला दर्ज कर लिया है।

फिल्म के साथ रचनात्मक स्वतंत्रता लेना गलत : गोविल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। आदिपुरुष की रिलीज के बाद से ही फिल्म को लगातार दर्शकों के आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। अब इसी बीच रामानंद सागर के राम ने फिल्म पर कटाक्ष करते हुए फिल्म को प्रोपेगेंडा बताया है।

रामानंद सागर की 'रामायण' में प्रसिद्ध रूप से भगवान राम की भूमिका निभाने वाले अभिनेता अरुण गोविल ने कहा कि निर्माताओं द्वारा 'आदिपुरुष' जैसी फिल्म के साथ रचनात्मक स्वतंत्रता लेना गलत था। निर्माता को अपने हिसाब से फिल्म निर्माण करने का पूरा हक है, लेकिन उन विषयों के साथ छेड़छाड़ करने की अनुमति नहीं है, जो लोगों

की धार्मिक भावनाओं के साथ जुड़े हो। अरुण गोविल ने अपनी बात रखते हुए कहा, 'निर्माता को आस्था के विषयों के साथ खिलवाड़ करने से बचना चाहिए क्योंकि यह लोगों के लिए एक संवेदनशील विषय है। रामायण जैसे पूजनीय पाठ के साथ प्रयोग करने की कोई आवश्यकता नहीं थी।'

'20 जून को गद्दार दिवस के रूप में मनाएं'

» सांसद संजय राउत ने संयुक्त राष्ट्र को भेजी चिट्ठी

» चिट्ठी में लिखा-बीजेपी के बहकावे में आकर तोड़ी पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) और बीजेपी-शिवसेना (शिंदे गुट) के बीच जुबानी जंग लगातार तेज हो रही है। उद्धव गुटे के नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के सामने अजीब मांग रख दी है। संजय राउत ने यूएन के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को एक चिट्ठी लिखी है। संजय राउत ने यूएन को लिखे पत्र में कहा कि 20 जून को विश्व गद्दार दिवस के रूप में मान्यता दी जाए।

राउत ने कहा कि जैसे 21 जून को विश्व योग दिवस मनाया जाता है, ठीक उसी तरह से 20 जून को विश्व गद्दार दिवस मनाया जाना चाहिए। शिवसेना (यूबीटी) सांसद ने अपनी चिट्ठी में लिखा है, मैं 20 जून को विश्व गद्दार दिवस मनाने की अपील के साथ ये चिट्ठी लिख रहा हूं। मेरा पार्टी शिवसेना (यूबीटी) का नेतृत्व उद्धव ठाकरे करते हैं और वो महाराष्ट्र के सीएम रह चुके हैं। संजय राउत ने आगे लिखा,20 जून 2022 को बीजेपी के बहकावे में आकर एकनाथ शिंदे हमारे 40 विधायकों को लेकर पार्टी छोड़कर चले गए थे। तब हर किसी को 50-50 करोड़ रुपये मिले थे। बीजेपी ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाविकास आघाड़ी की सरकार को गिराने के लिए अपनी पूरी ताकत का इस्तेमाल किया।

गद्दारी उद्धव ठाकरे ने की है : फडणवीस

भाजपा ने भी शिवसेना (यूबीटी) को करारा जवाब देते हुए उन पर ही गद्दारी का आरोप लगा दिया है। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उद्धव ठाकरे गद्दारी की बात करते हैं लेकिन गद्दारी उद्धव ठाकरे ने की है। फडणवीस ने कहा कि राज्य की जनता ने शिवसेना-भाजपा को समर्थन दिया था लेकिन आप कांग्रेस, एनसीपी के साथ गए। ऐसे में गद्दारी आपने की। फडणवीस ने ये भी कहा कि एकनाथ शिंदे ने तो शिवसेना बचाई है। भिवंडी लोकसभा की कल्याण विधानसभा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए फडणवीस ने ये बातें कही। उद्धव ठाकरे अपना जन्मदिन 27 जुलाई को मनाते हैं। उनसे बड़ा गद्दार कोई नहीं है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।